अंतरी पेटवू ज्ञानज्योत

कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव

स्नातकोत्तर(एम.ए.) प्रथम वर्ष (हिंदी)

सत्र - प्रथम तथा द्वितीय

नई शिक्षा नीति पर आधारित पाठ्यक्रम

प्रथम वर्ष पाठ्यक्रम प्रारंभ -जून 2023-24

द्वितीय वर्ष पाठ्यक्रम प्रारंभ -जून 2024-25

हिंदी अध्ययन मंडल

1	प्रो.संजयकुमार नन्दलाल शर्मा	-	अध्यक्ष
2	प्रो.सुनील बाबुराव कुलकर्णी	-	सदस्य
3	प्रो.योगेश गोकुल पाटिल	-	सदस्य
4	प्रो. कुबेर गोविन्द कुमावत	-	सदस्य
5	प्रो. संजय विक्रम ढोडरे	-	सदस्य
6	प्रो. कल्पना राजेंद्र पाटिल	-	सदस्य
7	डॉ. महेश वसंतराव गांगुर्डे	-	सदस्य
8	डॉ.अनिल बाबूलाल सूर्यवंशी	-	सदस्य
9	प्रो. महेंद्रकुमार रामचंद्र वाढे	-	सदस्य
10	प्रो. विजयकुमार रोडे	-	सदस्य
11	प्रो.कल्पना लीलाधर पाटिल	-	सदस्य
12	श्री. सुधीर ओखदे	-	सदस्य
13	श्री. सचिन वसंतराव निम्बालकर	-	सदस्य
14	श्री.वीरेन्द्र शुक्ल	-	सदस्य
15	पूजा गजानन नवलकर	-	सदस्य
16	सरिता संतोष माली	-	सदस्य

Kaviyatribai Bahinabai Chaudhari North Maharashtra University, Jalgaon

FACULTY OF HUMANITIES M.A PROGRAMME

Credit distribution structure for Two years /One year PG M.A .programme

BOS: - HINDI

Teaching and Examination scheme: **M.A. (Level 6.0) Sem-I**

Sr No	Course Category	Name of the Course (Title of the Paper)		Total Credit	Hours/ Semester	Teaching Scheme (hrs/week)		Evalution Scheme		
						Theory/ Practical		Continuous Internal Evolution (CIE) (CA)	End Semester Evolution (ESE) (UA)	Duration of Examination (Hrs)
						T	P			
1	DSC	DSC-1 HIN411	आधुनिक कथा साहित्य : कहानी एवं उपन्यास	4	60	04	-	40	60	03
		DSC-2 HIN412	आदिकालीन एवं भक्तिकालीन काव्य	4	60	04	-	40	60	03
		DSC-3 HIN413	भारतीय काव्यशास्त्र तथा आलोचना	4	60	04	-	40	60	03
		DSC-4 HIN414	दलित विमर्श -काव्य	2	30	02	-	20	30	02
2	DSE	DSE-1 A HIN415	लोक साहित्य	4	60	04	-	40	60	03
		Or B HIN415	विशेष साहित्यकार : कबीर							
4	Research	RM HIN416	अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया	4	60	04	-	40	60	03
Total				22	330	22	-	210	340	

Kaviyatribai Bahinabai Chaudhari North Maharashtra University, Jalgaon

FACULTY OF HUMANITIES M.A PROGRAMME

Credit distribution structure for Two years/One year PG M.A. programme

BOS: - HINDI

Teaching and Examination scheme: M.A. (Level 6.0) Sem-II

Sr No	Course Category	Name of the Course (Title of the Paper)		Total Credit	Hours/ Semester	Teaching Scheme (hrs/week)		Evolution Scheme		
						Theory/ Practical		Continuous Internal Evolution (CIE) (CA)	End Semester Evolution (ESE) (UA)	Duration of Examination (Hrs)
						T	P			
1	DSC	DSC-5 HIN-421	नाटक निबंध विधा	4	60	04	-	40	60	03
		DSC-6 HIN-422	रीतिकालीन काव्य	4	60	04	-	40	60	03
		DSC-7 HIN-423	पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा वाद	4	60	04	-	40	60	03
		DSC-8 HIN-424	आदिवासी विमर्श -उपन्यास	2	30	02	-	10	40	02
2	DSE	DSE-2A HIN-425	अनुवाद विज्ञान	4	60	04	-	40	60	03
		Or B HIN-425	विशेष विधा : संस्मरण							
4	CC,FP,CEP,OJT/ Int,RP	OJt/Int HIN426	प्रशिक्षण वृत्ति	4	60	-	04	40	60	
Total				22	330	18	04	210	340	

Kaviyatribai Bahinabai Chaudhari North Maharashtra University, Jalgaon

FACULTY OF HUMANITIES M.A. PROGRAMME

Credit distribution structure for Two years/One year PG M.A. programme

BOS: - HINDI

Teaching and Examination scheme: M.A. (Level 6.5) Sem-III

Sr No	Course Category	Name of the Course (Title of the Paper)		Total Credit	Hours/ Semester	Teaching Scheme (hrs/week)		Evalution Scheme		
						Theory/ Practical		Continuous Internal Evolution (CIE) (CA)	End Semester Evolution (ESE) (UA)	Duration of Examination (Hrs)
						T	P			
1	DSC	DSC-9	महाकाव्य और खंडकाव्य	4	60	04	-	40	60	03
		DSC-10	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीतिकाल)	4	60	04	-	40	60	03
		DSC-11	हिंदी भाषा	4	60	04	-	40	60	03
		DSC-12	नारी विमर्श -आत्मकथा	2	30	02	-	10	40	02
2	DSE	DSE-3A	प्रयोजनमूलक हिंदी	4	60	04	-	40	60	03
		Or B	पत्रकारिता							
4	Research	RP	शोध प्रबंध लेखन (परियोजना)	4	60	-	04	40	60	
Total				22	330	18	04	210	340	

Kaviyatribai Bahinabai Chaudhari North Maharashtra University, Jalgaon

FACULTY OF HUMANITIES M.A PROGRAMME

Credit distribution structure for Two years / One year PG M.A .programme

BOS: - HINDI

Teaching and Examination scheme: M.A. (Level 6.5) Sem-IV

Sr No	Course Category	Name of the Course (Title of the Paper)		Total Credit	Hours/ Semester	Teaching Scheme (hrs/week)		Evalution Scheme		
						Theory/ Practical		Continuous Internal Evolution (CIE) (CA)	End Semester Evolution (ESE) (UA)	Duration of Examination (Hrs)
						T	P			
1	DSC	DSC-13	काव्य नाटक एवम् लम्बी कविता	4	60	04	-	40	60	03
		DSC-14	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	4	60	04	-	40	60	03
		DSC-15	भाषा विज्ञान	4	60	04	-	40	60	03
2	DSE	DSE-4A	विशेष विधा- ग़ज़ल	4	60	04	-	40	60	03
		Or B	मीडिया लेखन							
4	Research	RP	शोध प्रबंध लेखन (परियोजना)	6	90	-	06	50	100	
Total				22	330	16	06	210	340	

स्नातकोत्तर(एम.ए.) प्रथम वर्ष (हिंदी)

प्रथम सत्र

DSC-1 HIN- 411 आधुनिक कथा साहित्य (कहानी एवम् उपन्यास)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1. कहानी विधा से छात्रों को परिचित कराना।
2. हिंदी साहित्य के श्रेष्ठ कहानीकारों की कहानियों से अवगत कराना।
3. हिंदी की श्रेष्ठ कहानियों के माध्यम से छात्रों के व्यक्तित्व का विकास करना।
4. हिंदी कहानियों के माध्यम से छात्रों में सामाजिक संवेदनशीलता, राष्ट्रीय एकात्मता, सामाजिक समरसता आदि मूल्यों को संवर्धित करना।
5. उपन्यास विधा से छात्रों को परिचित कराना।
6. हिंदी साहित्य के श्रेष्ठ उपन्यासकारों के उपन्यासों से अवगत कराना।
7. हिंदी के श्रेष्ठ उपन्यासों के माध्यम से छात्रों के व्यक्तित्व का विकास करना।
8. हिंदी उपन्यासों के माध्यम से छात्रों में सामाजिक संवेदनशीलता, राष्ट्रीय एकात्मता, सामाजिक समरसता आदि मूल्यों को संवर्धित करना।

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1 कहानी विधा से छात्रों को परिचित हुए।
2 हिंदी की श्रेष्ठ कहानियों के माध्यम से छात्रों के व्यक्तित्व का विकास हुआ।
3 हिंदी कहानियों के माध्यम से छात्रों में सामाजिक संवेदनशीलता, राष्ट्रीय एकात्मता, सामाजिक समरसता आदि मूल्यों के संदर्भ में जागृती निर्माण हुई।
4 हिंदी साहित्य के श्रेष्ठ उपन्यासकारों की उपन्यासों से अवगत हुए।
5 हिंदी के श्रेष्ठ उपन्यासों के माध्यम से छात्रों के व्यक्तित्व का विकास हुआ।
6 हिंदी उपन्यासों के माध्यम से छात्रों में सामाजिक संवेदनशीलता, राष्ट्रीय एकात्मता, सामाजिक समरसता आदि मूल्यों के संदर्भ में जागृती निर्माण हुई।
7 उपन्यास विधा से छात्र परिचित हुए

पाठ्यक्रम

इकाई-1 कहानी विधा : सैद्धांतिक विवेचन

- कहानी: परिभाषा, स्वरूप और तत्व |
- हिंदी कहानी विधा के उद्भव एवं विकास का सामान्य परिचय |
- हिंदी के प्रमुख कहानीकार तथा उनका सामान्य परिचय हिंदी कहानी और प्रमुख कहानी आंदोलन सामान्य परिचय।

इकाई – 2 कहानी विधा : प्रातिनिधिक हिंदी कहानियाँ

- दुलाईवाली - राजेन्द्रबाला घोष (बंग महिला)
- राही - सुभद्राकुमारी चौहान
- ईदगाह - प्रेमचंद
- उसने कहा था - चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी'
- गूँगे - रांगेय राघव
- सफदर - राहुल सांस्कृत्यायन
- चीफ की दावत - भीष्म साहनी
- तीसरी कसम - फणीश्वरनाथ रेणु
- सिक्का बदल गया - कृष्णा सोबती

- वापसी -उषा प्रियंवदा

इकाई – ३ उपन्यास विधा : सैद्धांतिक विवेचन

- उपन्यास :परिभाषा, स्वरूप और तत्व
- उपन्यास विधा के उद्भव एवं विकास का सामान्य परिचय, हिंदी के प्रमुख उपन्यासकार तथा उनका सामान्य परिचय
- हिंदी उपन्यासों की विविध धाराओं का सामान्य परिचय सामाजिक, मनोवैज्ञानिक, प्रगतिवादी

इकाई – ४ उपन्यास विधा : प्रातिनिधिक उपन्यास –

धरती धन न अपना – जगदीश चन्द्र

तृतीय संस्करण- 2020 ,आधार प्रकाशन ,प्राइवेट लिमिटेड ,नई दिल्ली

सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. उपन्यास: तत्व एवं रूप विधान - श्री. नारायण अग्निहोत्री
2. हिंदी उपन्यास :शिल्प और प्रयोग - डॉ. त्रिभुवन सिंह
3. आधुनिक उपन्यासों में वस्तुविन्यास - डॉ. सरोजिनी त्रिपाठी
4. आज का हिंदी उपन्यास - डॉ. इंद्रनाथ मदान
5. हिंदी उपन्यास: एक अंतर्यात्रा - डॉ. रामदरश मिश्र
6. हिंदी उपन्यास उद्भन और विकास - डॉ. सुरेश सिन्हा
7. आधुनिक उपन्यास: विविध आयाम - डॉ विवेकी राय
8. प्रेमचंदोत्तर उपन्यसों की शिल्प विधि - डॉ. सत्यपाल चुप
9. हिंदी के मनोवैज्ञानिक उपन्यास - डॉ. धनराज मानधने
10. समकालीन हिंदी उपन्यास कथ्य विश्लेषण - डॉ. प्रेमकुमार
11. हिंदी कथा साहित्य का पुनर्पाठ - डॉ. करूणाशंकर उपाध्याय
12. नई कहानी का स्वरूप विवेचन - डॉ. इंदु रश्मि
13. निर्मल वर्मा के कहानियों में व्यक्त चिंतन - डॉ. राजेन्द्र जाधव
14. अमरकांत का कथा साहित्य :कथ्य एवं शिल्प - डॉ. योगेश गोकुळ पाटील
15. शिवानी के उपन्यासों में चित्रित समसामयिक समस्याएँ : डॉ.अंजीर भील

स्नातकोत्तर (एम.ए.) प्रथम वर्ष (हिंदी)

प्रथम सत्र

DSC -2 HIN 412 – आदिकालीन एवं भक्तिकालीन काव्य

पाठ्यक्रम के उद्देश्य -

1. आदिकालीन एवं भक्तिकालीन हिंदी काव्य का प्रातिनिधिक कवियों की रचनाओं के अध्ययन द्वारा परिचय प्राप्त करना।
2. आदिकालीन एवं भक्तिकालीन काव्य प्रवृत्तियों को जानना।
3. प्रातिनिधिक कवियों के दार्शनिक सिध्दांतों का अध्ययन करना।
4. आदिकालीन कवि गोरखनाथ का परिचय तथा उनके काव्य का अध्ययन करना।
5. भक्तिकालीन प्रातिनिधिक कवि तुलसीदास और उनके काव्य का अध्ययन करना।

पाठ्यक्रम की उपादेयता -

1. आदिकालीन एवं भक्तिकालीन हिंदी काव्य के प्रातिनिधिक कवियों की रचनाओं से छात्र परिचित हुए।
2. आदिकालीन एवं भक्तिकालीन काव्य प्रवृत्तियों का छात्रों ने अध्ययन किया।
3. छात्रों नें आदिकालीन एवं भक्तिकालीन प्रातिनिधिक कवियों के दार्शनिक सिध्दांतों का अध्ययन किया।
4. छात्रों नें आदिकालीन कवि गोरखनाथ का परिचय प्राप्त किया तथा उनके काव्य का विस्तार से अध्ययन किया।
5. भक्तिकालीन प्रातिनिधिक कवि तुलसीदास का परिचय प्राप्त किया और उनके काव्य का विस्तार से अध्ययन किया।

पाठ्यक्रम

इकाई -1 गोरखनाथ – गोरखबानी – संपा. डॉ. पीताम्बरदत्त बडथ्वाल
हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग.

ससंदर्भ व्याख्या हेतु – सबदी – 2, 4, 7, 8, 16
प्राण संकली – 1, 2, 3, 4, 5
ज्ञान तिलक - 5, 7, 16, 18 24

इकाई -2

अध्ययनार्थ विषय –

1. गोरखनाथ का व्यक्तित्व एवं युग
2. गोरखनाथ की हिंदी रचनाएँ
3. गोरखनाथ की साधना पद्धति – हठयोग साधना
4. गोरखनाथ की सामाजिक चेतना
5. गोरखनाथ की काव्यगत विशेषताएँ
6. गोरखनाथ की प्रासंगिकता और हिंदी साहित्य पर प्रभाव
7. गोरखबानी का कला पक्ष

इकाई -3

तुलसीदास – कवितावली
गीताप्रेस , गोरखपुर

ससन्दर्भ व्याख्या हेतु – 1. बालकांड – 1, 2, 4, 5, 18

2. सुंदरकांड – 3, 5, 10, 11, 15
3. उत्तरकांड – 1, 7, 13, 15, 16

इकाई -4

अध्यनार्थ विषय –

1. तुलसीदास की समन्वय साधना
2. तुलसीदास की भक्ति -भावना
3. तुलसीदास का मर्यादावाद
4. तुलसीदास के काव्य में लोकमंगल की भावना
5. तुलसीदास के दार्शनिक सिध्दांत
6. कवितावली का प्रतिपाद्य
7. कवितावली की रस योजना
8. तुलसीदास की काव्य कला

सन्दर्भ ग्रन्थ –

1. गोरखबानी – संपा.डॉ. पीताम्बरदत्त बडथ्वाल
2. गोरखबानी – संपा. डॉ करूणाशंकर उपाध्याय एवं डॉ. दर्शन पाण्डेय
3. गोरखनाथ और उनका हिंदी साहित्य – डॉ. कमल सिंह
4. गोरखनाथ और उनका युग – रांगेय राघव
5. महायोगी गोरखनाथ : साहित्य और दर्शन – गोंविद रजनीश
6. गोरखनाथ –जीवन और दर्शन – कन्हैया सिंह
7. नाथपंथ का समाज दर्शन- डॉ. प्रदीपकुमार राव
8. महायोगी गोरखनाथ – डॉ.फुलचंद प्रसाद गुप्त
9. गोरखनाथ – डॉ. नागेन्द्रनाथ उपाध्याय
10. गोस्वामी तुलसीदास – व्यक्तित्व, दर्शन, साहित्य – रामदत्त भारव्दाज
11. तुलसी दर्शन – डॉ. बलदेवप्रसाद मिश्र
12. तुलसी साहित्य की भूमिका – रामरतन भटनागर
13. तुलसीदास – वस्तु और शिल्प – डॉ. आनंदप्रकाश दीक्षित
14. तुलसी की जीवनभूमि – चंद्रबली पांडे
15. तुलसी – उदयभानु सिंह
16. तुलसी काव्यमीमांसा – उदयभानु सिंह
17. तुलसी रसायन – डॉ. भगीरथ मिश्र
18. तुलसीदास –डॉ. माताप्रसाद गुप्त

स्नातकोत्तर (एम.ए.) प्रथम वर्ष (हिंदी)

प्रथम सत्र

DSC-3-HIN-413-भारतीय काव्यशास्त्र तथा आलोचना

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1 भारतीय काव्यशास्त्र का सामान्य परिचय देना।
2 भारतीय काव्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धातों से परिचित कराना।
3 हिंदी आलोचना का सामान्य परिचय प्राप्त करना।

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1 छात्रों ने भारतीय काव्याशास्त्र का सामान्य परिचय प्राप्त किया।
2 भारतीय काव्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धांतों से छात्र अवगत हुए।
3 हिंदी आलोचना से अवगत होकर छात्रों ने हिंदी आलोचना के प्रमुख प्रकारों का अध्ययन किया।

पाठ्यक्रम

इकाई - I - रस एवं अलंकार सिद्धांत

- रस सिद्धांत: रस का स्वरूप, भरतमुनि से रस निष्पत्ति विषयक सूत्र संबंधी विविध आचार्यो का मत, साधारणीकरण सिद्धांत।
- अलंकार सिद्धांत : अलंकार शब्द की व्युत्पत्ति, परिभाषा, स्वरूप, काव्य में अलंकार का स्थान|

इकाई - II - रीति और ध्वनि सिद्धांत

- रीति सिद्धांत : रीति शब्द की व्युत्पत्ति, अर्थ, परिभाषा, रीति के विविध पर्याय, रीति भेदो के आधार, रीति भेद, रीति और गुण, रीति और शैली।
- ध्वनि सिद्धांत : ध्वनि शब्द की व्युत्पत्ति, अर्थ, परिभाषा,स्वरूप , ध्वनि और स्फोट सिद्धांत, ध्वनि और शब्दशक्ति तथा ध्वनि के प्रमुख भेद।

इकाई - III - वक्रोक्ति और औचित्य सिद्धांत

- वक्रोक्ति सिद्धांत : वक्रोक्ति शब्द की व्युत्पत्ति, अर्थ, परिभाषा, कुंतकपूर्व वक्रोक्ति सिद्धांत, वक्रोक्ति का स्वरूप, वक्रोक्ति के प्रमुख भेद, काव्य में वक्रोक्ति का महत्त्व।
- औचित्य सिद्धांत : औचित्य का स्वरूप और काव्य में औचित्य स्थान।

इकाई - IV - हिंदी आलोचना

- आलोचना स्वरूप और उद्देश , आलोचक के गुण,
- आलोचना के प्रमुख प्रकार सैद्धांतिक, व्याख्यात्मक, तुलनात्मक, स्वच्छंदतावादी एवं प्रगतिवादी आलोचना

सन्दर्भ ग्रंथ :

1. काव्यशास्त्र – डॉ. भगीरथ मिश्र
2. काव्यशास्त्र के विविध आयाम – डॉ. मधु खराटे
3. रस सिद्धांत : स्वरूप विश्लेषण – डॉ. आनंदप्रकाश दिक्षीत
4. भारतीय साहित्य – आचार्य वासुदेव उपाध्याय

5. साहित्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धांत – डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
6. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत – डॉ. कृष्णदेव शर्मा
7. रस मीमांसा – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
8. औचित्य विमर्श - डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
9. समीक्षा के भारतीय एवं पाश्चात्य मानदंड – डॉ. रामसागर त्रिपाठी
10. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत – डॉ. सुरेश अग्रवाल
11. काव्य समीक्षा के भारतीय मानदंड – डॉ. वासंती सालवेकर / डॉ. उर्मिला पाटिल
12. भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्यशास्त्र – डॉ. गोविंद कुमार टी. बेकरीया
13. वक्रोक्ति सिद्धांत और सूर का काव्य – डॉ. शिवप्रसाद मिश्र
14. भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्यशास्त्र – डॉ. सत्यदेव चौधरी / शांतिस्वरूप गुप्त
15. उदात्त के विषय में – डॉ. निर्मला जैन
16. काव्य चिंतन की पश्चिमी परंपरा – डॉ. निर्मला जैन
17. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ. तेजपाल चौधरी
18. वक्रोक्ति सिद्धांत और सूर का काव्य – डॉ. शिवप्रसाद मिश्र
19. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ. रामकुमार वर्मा

स्नातकोत्तर (एम.ए.) प्रथम वर्ष (हिंदी)

प्रथम सत्र

DSC – 4 HIN – 414 दलित विमर्श – काव्य

पाठ्यक्रम के उद्देश्य –

1. समकालीन हिंदी साहित्य में दलित विमर्श के सैध्दांतिक पक्ष का अध्ययन करना।
2. दलित साहित्य की प्रवृत्तियों का अध्ययन करना।
3. दलित विमर्श के महत्वपूर्ण प्रेरणास्त्रोंतों को जानना।
4. दलित विर्मश का आधुनिक परिदृष्य में आकलन एवं अध्ययन करना।

पाठ्यक्रम की उपादेयता -

1. समकालीन हिंदी साहित्य में दलित विमर्श के सैध्दांतिक पक्ष का अध्ययन छात्रों ने किया।
2. दलित साहित्य की प्रवृत्तियों से छात्र अवगत हुए।
3. छात्रों ने दलित विमर्श के महत्वपूर्ण प्रेरणास्त्रोंतों को जाना।
4. छात्रों ने दलित विर्मश का आधुनिक परिदृष्य में आकलन एवं अध्ययन किया।

पाठ्यक्रम

इकाई –1

1. दलित – अर्थ, परिभाषा, स्वरूप
2. हिंदी दलित साहित्य की परंपरा और समकालीन दलित कविता।
3. हिंदी दलित साहित्य –चिन्तन की दिशाएँ,
4. हिंदी दलित साहित्य - प्रेरणा और प्रभाव
5. आधुनिक परिदृष्य में दलित विमर्श ।
6. दलित विमर्श की मूल प्रवृत्तियाँ।

इकाई 2

अध्ययनार्थ काव्य रचनाएँ –

1.	ओमप्रकाश वाल्मीकि	-	1. सदियों का संताप	2. तब तुम क्या करोंगे
2.	जयप्रकाश कर्दम	–	1. आज का रैदास	2. वर्णवाद का पहाडा
3.	सुशीला टाकभौरे	–	1. अनुत्तरीत प्रश्न	2. पीडा की फसलें
4.	मलखान सिंह	–	1. सुनो ब्राह्मण	2. छत की तलाश
5.	बच्चालाल उन्मेश	–	1. प्रायश्चित	2. कौन जात हो भाई

संदर्भ ग्रंथ –

1. दलित विमर्श और हिंदी दलित काव्य – कालीचरण स्नेही
2. हिंदी काव्य में दलित काव्यधारा – माताप्रसाद
3. भारतीय दलित साहित्य – शरणकुमार लिंबाले
4. भारतीय दलित आंदोलन का इतिहास – चार खंड – मोहनदास नैमिशराय
5. दलित साहित्य – स्वरूप एवं संवेदनाएँ – डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे
6. दलित साहित्य की भूमिका – संपा. कंवल भारती
7. दलित साहित्य रचना और विचार – डॉ. पुरूषोत्तम सत्यप्रेमी
8. मुख्यधारा और दलित साहित्य – ओमप्रकाश वाल्मीकि
9. इक्कीसवीं सदी में दलित चेतना – डॉ. जयप्रकाश कर्दम
10. दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र – ओमप्रकाश वाल्मीकि

11. दलित चेतना की पहचान – डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे
12. दलित साहित्य - एक समालोचना दृष्टि - सुशीला टाकभौरे
13. हिंदी की दलित आत्मकथाएँ – डॉ. संजय ढोडरे
14. हिंदी साहित्य में दलित लेखन – डॉ. महेंद्रकुमार

स्नातकोत्तर (एम.ए.) प्रथम वर्ष (हिंदी)

प्रथम सत्र

DSE-1 (A) HIN -415 लोक साहित्य

पाठ्यक्रम के उद्देश्य -

1. लोक साहित्य के स्वरुप और संकल्पना को स्पष्ट करना |
2. लोक गीत, लोक कथा, लोक गाथा और प्रकीर्ण साहित्य का सैध्दांतिक विवेचन पर प्रकाश डालना |
3. लोकोक्तियॉ, मुहावरें, कहावतें आदि का भाषिक सौंदर्य विशद करना |
4. लोक साहित्य के महत्व और उपादेयता को स्पष्ट करना |

पाठ्यक्रम की उपादेयता –

1. छात्रों ने लोक साहित्य के स्वरुप और संकल्पना को भली भाँति जाना और समझा |
2. लोकगीत, लोककथा, लोकगाथा और प्रकीर्ण साहित्य के सैध्दांतिक पक्ष से छात्र परिचित हुए |
3. छात्रों ने लोकोक्तियाँ, मुहावरें, कहावतें आदि का भाषिक सौंदर्य जानकर उसके उपयोग कला को आत्मसात किया |
4. छात्रों ने लोक साहित्य के महत्व को समझकर उसकी उपादेयता को जाना |

पाठ्यक्रम

इकाई - 1 लोक साहित्य : संकल्पना और स्वरुप :

- लोक शब्द का अर्थ एवं परिभाषा और स्वरुप
- लोक साहित्य की परंपरा
- लोक साहित्य का वर्गीकरण
- लोक साहित्य की विशेषताएँ

इकाई – 2 लोक गीत : संकल्पना और स्वरुप :

- लोकगीत परिभाषा और स्वरुप
- लोकगीतों की विशेषताएँ
- लोकगीत और साहित्यिक गीत तथा लोकगीतों का वर्गीकरण

इकाई - 3 लोक कथा एवं लोकनाट्य :

- स्वरुप और परिभाषा तथा प्रमुख स्त्रोत
- वर्गीकरण एवं विशेषताएँ
- लोक कथा के तत्व
- प्रमुख लोक नाटय का सामान्य परिचय – रामलीला, रासलीला, तमाशा, जत्रा

इकाई – 4 प्रकीर्ण साहित्य :

- पहेलियाँ
- लोकोक्तियाँ
- मुहावरें
- कहावतें
- टोना-टोटका-मंत्र और चुटकुलें आदि का विश्लेषण

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. लोक साहित्य शास्त्र (अहिराणी के परिप्रेक्ष्य में) – डॉ. बापूराव देसाई
2. मावची लोकसाहित्य शास्त्र – डॉ. बापूराव देसाई
3. पच्चीस लोक बोलियों का शास्त्र और संस्कृति – डॉ. बापूराव देसाई
4. लोक साहित्य के प्रतिमान – डॉ. कुंदनलाल उप्रेति
5. लोक साहित्य के मूल स्त्रोत – डॉ. उर्मिला पाटील
6. लोक साहित्य का अध्ययन – डॉ. त्रिलोचन पाण्डेय
7. महाराष्ट्र का हिन्दी लोक काव्य - डॉ. कृष्ण दिवाकर
8. लोकगीतों का विकासात्मक अध्ययन – डॉ. कुलदीप
9. हिंदी लोक साहित्य शास्त्र, सिध्दांत और विकास – डॉ.अनुसया अग्रवाल
10. लोकगीतों की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि – डॉ. विद्या चौहान
11. लोककथा परिचय – नलिन विलोचन शर्मा
12. लोककथा विज्ञान – श्रीचन्द्र जैन
13. लोक साहित्य शास्त्र – डॉ. नंदलाल कल्ला
14. भारतीय लोक साहित्य की रुपरेखा – दुर्गा भागवत अनु. स्वर्णकांता
15. भारतीय लोक साहित्य – डॉ. श्याम परमार
16. लोक साहित्य की भूमिका – डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
17. लोक साहित्य सिध्दांत और प्रयोग – डॉ. श्रीराम शर्मा
18. लोक साहित्य विविध आयाम एवं दृष्टि – डॉ. जयश्री गावित
19. भारतीय आदिम लोक साहित्य- डॉ. शशिकांत सोनवणे ‘सावन’
20. भारत की उपेक्षित लोक संस्कृतियां- डॉ. शशिकांत सोनवणे ‘सावन’

स्नातकोत्तर (एम.ए.) प्रथम वर्ष (हिंदी)

प्रथम सत्र

DSE 1 (B) HIN 415 **विशेष साहित्यकार :कबीर**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य -

1. विशेष साहित्यकार के रूप में कबीर के साहित्यिक व्यक्तित्व एवं कृतित्व का ज्ञान प्राप्त करना |
2. कबीर के काव्य की प्रेरणाओं तथा विशेषताओं का अध्ययन करना |
3. वर्तमान परिप्रेक्ष्य में कबीर के विचारों की प्रासंगिकता को देखना |

पाठ्यक्रम की उपादेयता –

1 छात्रों ने कबीर के सामाजिक विचारों को समझा |
2 छात्रों ने कबीर के क्रांतिकारी विचारों को समझा |
3 कबीर के विचारों की प्रासंगिकता को जाना |
4 कबीर के दोहों का ज्ञान प्राप्त किया |

पाठ्यक्रम

इकाई 1

- कबीर का जीवन-वृत्त
- संत काव्य परंपरा और कबीर
- कबीर का प्रेमतत्त्व
- कबीर का रहस्यवाद

इकाई 2

- कबीर की विरह भावना
- निर्गुण भक्ति की विशेषताएं
- कबीर की भक्तिभावना
- कबीर का सामाजिक दर्शन

इकाई 3

- कबीर की प्रासंगिकता
- मानवतावादी कबीर
- कबीर क्रांति -दर्शन
- कबीर का कला पक्ष

इकाई 4 कबीर ग्रंथावली -संपादक डॉ श्यामसुंदरदास,
प्रकाशन संस्थान अंसारी रोड , दरिया गंज, नई दिल्ली

1. गुरुदेव को अंग - 3, 13, 14, 15, 33
2. विरह कौ अंग – 1, 5, 6, 12, 21, 45
3. माया कौ अंग – 4, 7,11
4 पद – 4, 44, 49, 84, 92, 338, 346

संदर्भ ग्रंथ-

१) भक्ति आंदोलन : इतिहास और संस्कृति - कुँवर पाल सिंह
2) भक्ति के आयाम - डॉ. पी. जयरामन
3) भक्तिकालीन काव्य में मानवीय मूल्य - डॉ. हणमंतराव पाटील
4) मध्ययुगीन काव्य के आधार स्तंभ - डॉ. तेजपाल चौधरी
5) मध्ययुगीन हिंदी साहित्य में धर्मनिरपेक्षता - डॉ. कृष्णा पोतदार
6) भक्तिकाव्य की प्रासंगिकता - डॉ. संजय शर्मा
7) कबीर - हजारीप्रसाद द्विवेदी
8) कबीर - सं. डॉ. विजयेंद्र स्नातक
9) कबीर की विचार धारा - डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
10) कबीर साहित्य की परख - आचार्य परशुराम चतुर्वेदी
11) कबीर :साधना और साहित्य - डॉ. प्रतापसिंह चौहान
12) कबीरदास व्यक्ति और चिंतन - डॉ. आनंदप्रकाश दीक्षित
13) कबीर- एक विवेचन - डॉ. सरनामसिंह शर्मा 'अरुण'
14) कबीर मीमांसा - डॉ. रामचंद तिवारी
15) कबीरदास- सृष्टि और दृष्टि - डॉ. शिवाजी देवरे/डॉ.भाऊसाहेब परदेशी

स्नातकोत्तर (एम.ए.) प्रथम वर्ष (हिंदी)

प्रथम सत्र

MINOR HIN-416 अनुसंधान : प्रविधि और प्रक्रिया

पाठ्यक्रम के उद्देश्य -

1. अनुसंधान प्रविधि से परिचित कराना |
2. अनुसंधान की प्रक्रिया से परिचित कराना |
3. अनुसंधान कार्य के लिए प्रेरणा प्रदान करना |
4. अनुसंधान क्षमता का विकास करना |

पाठ्यक्रम की उपादेयता :-

1. अनुसंधानात्मक दृष्टिकोण का छात्रों में विकास हुआ |
2. लेखन कौशल से छात्र अवगत हुए |
3. अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया का छात्रों को ज्ञान प्राप्त हुआ |

पाठ्यक्रम

इकाई 1 –

- अनुसंधान स्वरुप,अनुसन्धान हेतु प्रयुक्त विभिन्न शब्द एवं उनका औचित्य |
- अनुसंधान की परिभाषाएँ और उनका आशय |
- अनुसंधान के उद्देश्य

इकाई 2–

- अनुसंधान के प्रकार ,साहित्यिक अनुसंधान और उसके प्रकार -वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक ,व्याख्यात्मक |
- साहित्यिक एवं साहित्येतर अनुसंधान -साम्य वैषम्य |

इकाई 3 –

- अनुसंधान की प्रक्रिया:विषय चयन,सामग्री संकलन ,सामग्री का विश्लेषण , वर्गीकरण, सामग्री का विवेचन एवं निष्कर्ष |
- प्रबंध (प्रकल्प)लेखन प्रणाली:शीर्षक निर्धारण,रुपरेखा निर्माण, भूमिका लेखन,अध्याय विभाजन सन्दर्भ उल्लेख ,पाद-टिपण्णी ,परिशिष्ट ,सन्दर्भ सूची,अन्य स्त्रोत

इकाई 4 -

- अनुसंधान कार्य के घटक तत्व : अनुसंधान कर्ता एवं निर्देशक, अनुसंधान कर्ता के गुण , निर्देशक के गुण |
- अनुसंधान कार्य की सामग्री : प्रकार एवं स्त्रोत |
- अनुसंधान प्रस्तुति के प्रकार :प्रबंध,प्रपत्र प्रकाशन ,पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन, प्रबंधिका , मौखिकी |

सन्दर्भ ग्रन्थ –

1. शोध प्रविधि -डॉ विनय मोहन शर्मा
2. हिंदी शोध प्रविधि और प्रक्रिया -डॉ राजेंद्र मिश्र
3. नवीन शोध विज्ञान -डॉ तिलकसिंह
4. अनुसंधान का विवेचन -डॉ उदयभानु सिंह
5. साहित्य सिद्धांत और शोध -डॉ आनंदप्रकाश दीक्षित

6.	हिंदी अनुसंधान	-डॉ विजयपाल सिंह
7.	अनुसंधान का स्वरुप	-डॉ सावित्री सिन्हा
8.	अनुसंधान और आलोचना	-डॉ नगेन्द्र
9.	अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया	-डॉ विनयकुमार पाठक
10.	अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया	-डॉ शिवाजी देवरे, डॉ मधु खराटे
11.	अनुसंधान और अनुशीलन	-डॉ गोपालबाबू शर्मा
12.	शोध कैसे करें	-डॉ पुनीत बिसारिया
13.	अनुप्रयुक्त अनुसन्धान प्रविधि	-डॉ सुरेश माहेश्वरी
14.	अनुसंधान की प्रक्रिया	-डॉ भगीरथ मिश्र
15.	अवतरण शोधतंत्र के सन्दर्भ में	-डॉ चंद्रभानु सोनवने
16.	हिंदी शोधतंत्र की रुपरेखा	-डॉ मनमोहन सहगल
17.	शोध स्वरुप एवं मानक व्यवहारिक कार्यविधि	-बैजनाथ सिंहल

समय : तीन घंटे **प्रश्नपत्र का स्वरुप** **अंक -60**

(04 क्रेडिट वाले सभी विषयों के लिए)

प्रश्न क्र.		**अंक**
1	**निम्नलिखित लघुत्तरी प्रश्नों में से किन्हीं तीन के जवाब लिखिए**	
क		4
ख		4
ग		4
घ		4
2	**निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के जवाब लिखिए**	
च		6
छ		6
झ		6
3	**निम्नलिखित दीर्घोत्तरी प्रश्नों में से किसी एक जवाब लिखिए**	
ट		12
ठ		12
4	**निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियां लिखिए**	
ड		6
ढ		6
ण		6
5	**निम्नलिखित दीर्घोत्तरी प्रश्नों में से किसी एक जवाब लिखिए**	
त		12
थ		12

सूचनाएं –

1 प्रश्न क्रमांक 1 के प्रश्न चारों इकाइयों पर अनिवार्य है ।

2 प्रश्न क्रमांक 2,3,4,5 के लिए हर एक इकाई का समावेश हो अर्थात हर इकाई पर एक प्रश्न होगा ।

3 जिस विषय में साहित्य कृति रखी है वहां प्रश्न क्रमांक 3 और 5 ससंदर्भ व्याख्या पर होगा ।

समय :डेढ़ घंटा　　प्रश्नपत्र का स्वरुप　　अंक -30

(02 क्रेडिट वाले विषयों के लिए)

प्रश्न क्र		अंक
1	निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के जवाब लिखिए	
क		3
ख		3
ग		3
2	निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के जवाब लिखिए	
च		6
छ		6
ज		6
3	निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के जवाब लिखिए	
ट		6
ठ		6
ड		6

सूचनाएं –

1 प्रश्न क्रमांक 1 और 2 इकाई 1 पर होगा ।

2 प्रश्न क्रमांक 3 साहित्य कृति पर प्रश्न अथवा ससंदर्भ व्याख्या का होगा।

हिंदी पाठ्यक्रम

प्रथम सत्र

समकक्ष विषयों की सूची

पुराना पाठ्यक्रम		नया पाठ्यक्रम	
1	PG-HIN 101 कथा साहित्य (कहानी और उपन्यास	1	**DSC-1 HIN 411 आधुनिक कथा साहित्य (कहानी एवम् उपन्यास)**
2	PG-HIN 102 आदिकालीन एवं मध्यकालीन काव्य	2	**DSC -2 HIN 412 – आदिकालीन एवं भक्तिकालीन काव्य**
3	PG-HIN 103 भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत	3	**DSC-3-HIN-413-भारतीय काव्यशास्त्र तथा आलोचना**
4	PG-HIN 104 (A) अनुवाद सिद्धांत एवं व्यवहार	4	**DSE-1 (A) HIN -415 लोक साहित्य**
5	PG-HIN 104 (B) भारतीय साहित्य	5	**DSE 1 (B) HIN 415 विशेष साहित्यकार :कबीर**
6	PG-AC- 101 Audit Course :Practicing Cleanliness		----------
		6	MINOR HIN-416 **अनुसंधान : प्रविधि और प्रक्रिया**
		7	DSC – 4 HIN – 414 **दलित विमर्श – काव्य**

स्नातकोत्तर(एम.ए.) प्रथम वर्ष (हिंदी)
द्वितीय सत्र
DSC – 5 HIN -421 नाटक और निबंध विधा

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

1 नाटक और निबंध साहित्य के सामान्य परिचय से छात्रों को अवगत कराना।

2 नाटक का विकासात्मक परिचय कराना।

निबंध का विकासात्मक परिचय कराना।

नाटक साहित्य की तथा निबंध साहित्य की प्रातिनिधिक रचनाओं का अध्ययन करना।

पाठ्यक्रम की उपादेयता

1. कथेतर साहित्य के सामान्य परिचय से छात्र अवगत हुए।
2. नाटक साहित्य के विकास से परिचित हुए।
3. साहित्य के विकास से परिचित हुए।
4. नाटक तथा निबंध साहित्य की प्रातिनिधिक रचनाओं का अध्ययन

पाठ्यक्रम

इकाई – I नाटक साहित्य : सैद्धांतिक विवेचन

- नाटक : परिभाषा ,स्वरूप एवं तत्व।
- हिंदी नाटक का उदभव एवं विकास।
- प्रमुख नाटककारों का सामान्य परिचय।
- रंगमंच की दृष्टि से हिंदी नाटक की वर्तमान स्थिति।

इकाई – II प्रातिनिधिक नाटक – आधे अधूरे – मोहन राकेश

इकाई – III निबंध साहित्य : सैद्धांतिक विवेचन

- निबंध : परिभाषा एवं स्वरूप विवेचन
- हिंदी निबंध का उदभव एवं विकास
- हिंदी निबंधों के प्रमुख प्रकार एवं विशेषताएँ
- प्रमुख निबंधकारों का सामान्य परिचय

इकाई – IV प्रातिनिधिक हिंदी निबंध

- शिवमूर्ति – प्रतापनारायण मिश्र
- शिवशंभु के चिठ्ठे – बालकृष्ण भट्ट
- कविता क्या है – रामचंद्र शुक्ल
- नाखून क्यो बढते हैं – हजारी प्रसाद द्विवेदी
- मेरे राम का मुकुट भीग रहा है – विद्यानिवास मिश्र
- मजदूरी और प्रेम – अध्यापक पूर्ण सिंह
- संस्कृति और सौंदर्य - डॉ.नामवर सिंह
- रामकथा की सांस्कृतिक यात्रा – श्रीराम परिहार

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1) मोहन राकेश :रंग शिल्प और प्रदर्शन – जयदेव तनेजा
2) मोहन राकेश और उनके नाटक – गिरीश रस्तोगी
3) हिंदी नाटक उद्भव और विकास – दशरथ ओझा
4) हिंदी नाटक – बच्चनसिंह
5) आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच – नेमिचंद्र जैन
6) हिंदी नाटक: उद्भव और विकास – डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल
7) रंगमंच का जनतंत्र – हषीकेश सुलभ
8) हिन्दी के प्रातिनिधिक निबंधकार - डॉ.द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
9) हिंदी निबंधों का शैलीगत अध्ययन - डॉ. मु.ब. शहा
10) नरेन्द्र मोहन का रचना संसार – डॉ संजय ढोडरे
11) नाटककार नरेन्द्र मोहन- डॉ संजय ढोडरे
12) समकालीन हिंदी नाटक :स्वरुप और विश्लेषण - डॉ संजय ढोडरे
13) नाटककार हषीकेश सुलभ – डॉ संजयकुमार शर्मा

स्नातकोत्तर (एम.ए.) प्रथम वर्ष (हिंदी)
द्वितीय सत्र
DSC – 6 HIN -422 रीतिकालीन काव्य

पाठ्यक्रम के उद्देश्य ;

1. रीतिकालीन हिंदी काव्य के प्रातिनिधिक कवियों का परिचय प्राप्त करना।
2. रीतिकालीन काव्य प्रवृत्तियों को जानना।
3. प्रातिनिधिक कवियों के दार्शनिक सिध्दांतों का अध्ययन करना।
4. रीतिकालीन कवि बिहारी का परिचय तथा उनके काव्य का अध्ययन करना।
5. रीतिकालीन प्रातिनिधिक कवि भूषण और उनके काव्य का अध्ययन करना।

पाठ्यक्रम की उपादेयता –

1. रीतिकालीन हिंदी काव्य के प्रातिनिधिक कवियों की रचनाओँ से छात्र परिचित हो गए।
2. रीतिकालीन काव्य प्रवृत्तियों का छात्रों ने अध्ययन किया।
3. छात्रों नें आदिकालीन एवं भक्तिकालीन प्रातिनिधिक कवियों के दार्शनिक सिध्दांतों का अध्ययन किया।
4. छात्रों नें रीतिकालीन बिहारी का परिचय प्राप्त किया तथा उनके काव्य का विस्तार से अध्ययन किया।
5. रीतिकालीन प्रातिनिधिक कवि भूषण का परिचय प्राप्त किया और उनके काव्य का विस्तार से अध्ययन किया।

पाठ्यक्रम

इकाई –1 बिहारी : अध्ययनार्थ विषय

- संयोग ,वियोग श्रृंगार
- सौन्दर्य चित्रण ,अनुभाव योजना
- बिहारी की बहुज्ञता, भक्ति -नीति
- काव्य सौन्दर्य

इकाई– 2 बिहारी प्रकाश -आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र ,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

ससन्दर्भ व्याख्या के लिए सभी दोहे |

इकाई – 3 भूषण : अध्ययनार्थ विषय

- राष्ट्रीय काव्यधारा में भूषण का स्थान
- युगचेतना और भूषण,भूषण काव्य में शिवचरित्र
- भूषण की राष्ट्रीयता, रस विवेचन
- भूषण की काव्य कला, अलंकार,भाषा शैली

इकाई –4 सक्षिप्त भूषण – संम्पादक, भगवानदास तिवारी ,साहित्य भवन, इलाहाबाद- 211003

छंद – 17, 26, 28, 30, 41, 43, 68, 72, 91, 95

संदर्भ ग्रंथ-

1) बिहारी का नया मूल्यांकन - डॉ. बच्चन सिंह

2) बिहारी सतसई - जगन्नाथ दास रत्नाकर

3) बिहारी मीमांसा - डॉ. रामसागर त्रिपाठी
4) बिहारी का काव्य लालित्य - डॉ. रमाशंकर तिवारी
5) रीतिबद्ध काव्यधारा - डॉ. कृष्णचंद्र वर्मा
6) बिहारी की वाग्विधता - विश्वनाथप्रसाद मिश्र
7) भूषण (ग्रंथावली) - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
8) भूषण और उनका साहित्य - राजमल बोरा
9) भूषण साहित्यिक एवं ऐतिहासिक अनुशीलन - डॉ. भगवानदास तिवारी
10) भूषण विमर्श - श्री भगीरथ दीक्षित

स्नातकोत्तर(एम.ए.) प्रथम वर्ष (हिंदी)

द्वितीय सत्र

DSC-7-HIN-423 पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा वाद

पाठ्यक्रम के उद्देश्य :

1 पाश्चात्य काव्यशास्त्र का विकासात्मक परिचय समझाना।
2 पाश्चात्य काव्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धातों का परिचय देना।
3 पाश्चात्य काव्यशास्त्र के समीक्षा के आधुनातन आयामों को स्पष्ट करना।
4 पाश्चात्य काव्य विभिन्न वादों का सामान्य परिचय देना।

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1 पाश्चात्य काव्यशास्त्र का विकासात्मक परिचय छात्रों को समझा।
2 पाश्चात्य काव्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धांतों से छात्र परिचित हुए।
3 पाश्चात्य काव्य समीक्षा के आधुनातन आयामों को छात्रों ने जाना।
4 पाश्चात्य काव्य के विभिन्न वादों का सामान्य परिचय छात्रों को प्राप्त हुआ।

पाठ्यक्रम

इकाई –1

- प्लेटो के काव्य संबंधी मान्यताएँ।
- अरस्तू के अनुकरण संबंधी विचार।
- प्लेटो और अरस्तू के विचारों का तुलनात्मक अध्ययन।
- अरस्तू का विरेचन सिद्धांत।

इकाई –2

- लोंजाइनस – काव्य में उद्दात्त की अवधारणा।
- क्रोंचे - अभिव्यंजनावाद।
- टी. एस. इलियट निर्वेयक्तिकता का सिद्धांत।
- टी. एस. इलियट – वस्तुनिष्ठ प्रतिरूप और व्यक्तिगत भावों का सामान्यीकरण।

इकाई –3

- आई. ए. रिचडर्स – मूल्य सिद्धांत
- आई. ए. रिचडर्स – संप्रेषण सिद्धांत
- कलावाद।
- यथार्थवाद

इकाई -4 – विविध वाद :

- प्रतीकवाद
- बिम्बवाद
- अस्तित्ववाद
- संरचनावाद

सन्दर्भ ग्रंथ :

1. संरचनावाद, उत्तरसंरचनावाद एवं प्राच्य काव्यसास्त्र – गोपीचंद नारंग
2. अरस्तू का काव्यासास्त्र – डॉ. नगेंद्र
3. पाश्चात्य काव्याशास्त्र – देवेंद्रनाथ शर्मा
4. भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्यशास्त्र – डॉ. सत्यदेव चौधरी/शांतीस्वरूप गुप्त

5. समीक्षा के भारतीय एवं पाश्चात्य मानदंड – डॉ. रामसागर त्रिपाठी
6. भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्यशास्त्र – डॉ. गोविन्द कुमार टी. बेकरीया
7. पाश्चात्य साहित्य चिंतन – निर्मला जैन
8. रिचर्डस के आलोचना सिद्धांत – शंभूनाथ झा
9. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ. तारकनाथ बाली
10. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ. रामकुमार वर्मा
11. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त
12. पाश्चात्य काव्यशास्त्र इतिहास सिद्धांत और वाद – डॉ. भगीरथ मिश्र
13. पाश्चात्य साहित्य सिद्धांत विवेचन – डॉ. ओमप्रकाश शर्मा
14. साहित्य विविध वाद – डॉ. ओमप्रकाश शर्मा

स्नातकोत्तर (एम.ए.) प्रथम वर्ष (हिंदी)

द्वितीय सत्र

DSC – 8 HIN – 424 आदिवासी विमर्श – उपन्यास

पाठ्यक्रम के उद्देश्य -

1. समकालीन हिंदी साहित्य में आदिवासी विमर्श का अध्ययन करना।
2. आदिवासी साहित्य की विशेषताओँ का अध्ययन करना।
3. आदिवासी समाज की समसामयिक समस्याएँ और विकास नीति को जानना।
4. हिंदी साहित्य में चित्रित आदिवासी परंपरा का अध्ययन करना |

पाठ्यक्रम की उपादेयता -

1. छात्रों ने समकालीन हिंदी साहित्य में आदिवासी विमर्श का अध्ययन किया।
2. छात्रों ने आदिवासी साहित्य की विशेषताओँ का अध्ययन किया।
3. छात्रों ने आदिवासी समाज की समसामयिक समस्याएँ और विकास नीति को जाना।
4. छात्रों द्वारा हिंदी साहित्य में चित्रित आदिवासी परंपरा का विस्तार से अध्ययन किया गया।

पाठ्यक्रम -

इकाई 1

1 आदिवासी – अर्थ, परिभाषा और स्वरूप

2 आदिवासी साहित्य की प्रमुख विशेषताएँ

3 आदिवासी समाज : समसामायिक समस्याएँ और विकास नीति

4 हिंदी साहित्य में आदिवासी साहित्य के चित्रण की परंपरा – विकासात्मक परिचय

इकाई 2

आदिवासी विमर्श – प्रातिनिधिक रचना (उपन्यास विधा)

धूनी तपे तिर – हरिराम मीणा

साहित्य उपक्रम, फरीदाबाद (हरियाणा)

संदर्भ ग्रंथ -

1. आदिवासी साहित्य यात्रा- रमणिका गुप्ता
2. आदिवासी स्वर और नई शताब्दी – रमणिका गुप्ता
3. आदिवासी लोक भाग- 1 और भाग 2 – संपा. रमणिका गुप्ता
4. आदिवासी कौन – संपा. रमणिका गुप्ता
5. आदिवासी विकास से विस्थापन – संपा. रमणिका गुप्ता
6. हिंदी साहित्य में आदिवासी विमर्श - संपा. रमणिका गुप्ता
7. समकालीन हिंदी उपन्यासों में आदिवासी विमर्श – संपा. डॉ. शिवाजी देवरे / डॉ. मधु खराटे
8. समकालीन साहित्य विमर्श – डॉ. सुनिल कुलकर्णी
9. आदिवासी विमर्श केंद्रित हिंदी साहित्य – संपा. डॉ. उषाकीर्ति राणावत
10. आदिवासी विमर्श केंद्रित हिंदी साहित्य – डॉ. पंडित बन्ने
11. आदिवासी लोक साहित्य – डॉ. गौतम कुंवर
12. आदिवासी केंद्रित हिंदी उपन्यास – डॉ. प्रमोद चौधरी

स्नातकोत्तर (एम.ए.) प्रथम वर्ष (हिंदी)

द्वितीय सत्र

DSC – 2 (A) HIN – 425 अनुवाद विज्ञान

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

1. अनुवाद विज्ञान परिभाषा स्वरूप, महत्व और प्राप्ति से छात्रों को अवगत कराना।
2. अनुवाद के प्रकार, गुण, उपकरण से छात्रों को परिचित कराना।
3. वर्तमान काल में अनुवाद की आवश्यकता और प्रायोगिकता के माध्यम से छात्रों के व्यक्तित्व का विकास करना।
4. मराठी गद्यखंड का हिंदी में करना।

पाठ्यक्रम की उपादेयता:

1. अनुवाद विज्ञान, परिभाषा, स्वरूप, महत्व से छात्र परिचित हुए।
2. अनुवाद के प्रकार, गुण, उपकरणों से अवगत हुए।
3. वर्तमान काल में अनुवाद की आवश्यकता जानकर उपयोगिता को समझकर छात्रों के व्यक्तित्व का विकास हुआ।
4. मराठी से हिंदी में अनुवाद कर सकते हैं।

पाठ्यक्रम

इकाई – I अनुवाद विज्ञान

- अनुवाद : अर्थ ,परिभाषा एवम् स्वरुप
- अनुवाद की विशेषताएँ
- अनुवाद के प्रकार
- अनुवादक के गुण

इकाई – II

- अनुवाद : विज्ञान अथवा कला
- अनुवाद का महत्व
- अनुवाद की प्रक्रिया, प्रविधि और सिद्धांत
- अनुवाद के उपकरण

इकाई – III

- अनुवाद की आवश्यकता एवं उद्देश्य
- अनुवाद का लिखित एवं मौखिक स्वरूप एवं वर्तमानकाल में उसकी उपयोगीता
- अनुवाद का सामाजिक एवं सांस्कृतिक पक्ष
- अनुवाद कार्य में सहायक साधनों के उपयोग का महत्व ,द्विभाषिक कोश, त्रिभाषिक कोश.

इकाई – IV

- अनुवाद : समस्याएँ और समाधान
- अनुवाद की विभिन्न शैलियाँ
- अनुवाद के मूल्यांकन का प्रश्न – आवश्यकता तथा निकष
- मराठी गद्यखंड का हिंदी में अनुवाद (गद्यखंड लगभग 150 शब्दों का होगा।

संदर्भ ग्रंथ

1. अनुवाद विज्ञान - डॉ. भोलनाथ तिवारी
2. अनुवाद कला : कुछ विचार – आनंद प्रकाश खेमानी
3. अनुवाद की व्यावहारिक समस्याएँ - डॉ. भोलनाथ तिवारी
4. अनुवाद विज्ञान: स्वरूप एवं व्याप्ति – सं. डॉ. मु.ब.शहा - डॉ. पीताम्बर सरोदे
5. अनुवाद: सिद्धान्त एवं स्वरूप - डॉ. मनोहर सराफ, डॉ. शिवाकांत गोस्वामी

स्नातकोत्तर(एम.ए.) प्रथम वर्ष (हिंदी)

द्वितीय सत्र

DSE - 2 (B) HIN -425 **विशेष विधा – संस्मरण**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :-

1. छात्रों को संस्मरण विधा से अवगत कराना।
2. छात्रों को संस्मरण विधा का आस्वादन कराना।
3. हिंदी के प्रमुख संस्मरणकारों सामान्य परिचय कराना।
4. संस्मरण विधा का विकासात्मक अध्ययन कराना ।

पाठ्यक्रम की उपादेयता :

1. संस्मरण साहित्य का विकासात्मक परिचय प्राप्त हुआ।
2. संस्मरण साहित्य विधा का सैध्दांतिक परिचय प्राप्त हुआ।
3. संस्मरण साहित्य विधा का विकासात्मक परिचय प्राप्त हुआ।
4. संस्मरण साहित्य की प्रातिनिधिक रचनाओं का अध्ययन हुआ।

पाठ्यक्रम –

इकाई – 1 संस्मरण विधा : सैद्धातिक विवेचन

1 संस्मरण :परिभाषा, स्वरूप और तत्व
2 संस्मरण विधा के उद्भव एवं विकास का सामान्य परिचय
3 हिंदी के प्रमुख संस्मरणकार तथा उनका सामान्य परिचय

इकाई – 2 संस्मरण

1. शरत्: एक याद- अमृतलाल नागर
2. यादों की जुगाली – एस. एम. जोशी
3. हम हशमत - कृष्णा सोबती
4. त्यागमूर्ति 'निराला' - शिवपूजन सहाय

इकाई – 3 संस्मरण

1. एक थी रामरती- शिवानी
2. प्रेमचंद : मैंने क्या जाना और पाया - जैनेंद्र
3. बापू के कदमों में - राजेंद्र बाबू
4. सीधी सादी यादें - दुर्गावतीसिंह

इकाई – 4 संस्मरण

1. लाल धागे का रिश्ता - अमृता प्रीतम
2. अतीत के गर्त से - भगवतीचरण वर्मा
3. काशी का अस्सी – काशीनाथ सिंह
4. पहली बारिश की छिटकती बूंदें - शंकर दयालसिंह

सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. संस्मरण और संस्मरणकार - डॉ. मनोरमा शर्मा
2. गद्य की नई विधाओं का विकास - माजदा असद
3. एक थी रामरती- शिवानी, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि. दिल्ली, पहला संस्करण,
4. श्रृंखला की कड़ियाँ, महादेवी वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण 2008
5. कथाकार शिवानी: व्यक्तित्व और कृतित्व, डॉ. कृष्णा श्रीवास्तव, अमन प्रकाशन, कानपुर, प्रथम संस्करण, 2010

6. शिवानी के उपन्यासों में चित्रित समसामयिक समस्याएं -डॉअंजीर भील
7. शिवानी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व, डॉ. कृष्णा श्रीवास्तव, अमन प्रकाशन, कानपुर,
8. शिवानी का हिंदी साहित्य: सामाजिक परिप्रेक्ष्य में- डॉ. ज्योत्स्ना शर्मा, अन्नपूर्णाप्रकाशन, कानपुर, प्रथम संस्करण, 1994

स्नातकोत्तर (एम.ए.) प्रथम वर्ष (हिंदी)

द्वितीय सत्र

DOJT/INT HIN -426 **प्रशिक्षण वृत्ति (INTERSHIP)**

उद्देश्य –

1. छात्रों में अध्यापन कार्य के प्रति रूचि निर्माण करना।
2. छात्रों में अनौपचारिक शिक्षा के प्रति रूचि निर्माण करना।
3. जनसंचार माध्यमों से सक्रिय तथा प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करना।
4. छात्रों का कौशल विकास करना।
5. स्वयं रोजगार के अवसर प्रदान करना।

उपादेयता –

1. छात्रों में अध्यापन कार्य के प्रति रूचि निर्माण हुई।
2. छात्रों में अनौपचारिक शिक्षा के प्रति रूचि निर्माण हुई।
3. छात्रों को जनसंचार माध्यमों से सक्रीय तथा प्रत्यक्ष अनुभव हुआ ।
4. छात्रों का कौशल विकास हुआ।
5. छात्रों को स्वयं रोजगार के अवसर प्राप्त हुए।

विशेष सूचना :-

1 इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत छात्रों द्वारा निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर प्रशिक्षण वृत्ति (INTERSHIP) का कार्य करना है।

2 यह कार्य प्रात्यक्षिक रूप में छात्र प्रत्यक्ष क्षेत्रीय स्थान(FIELD WORK) पर जाकर करेगा ,इसका

लिखित रूप भी हो सकेगा।

3इस पाठ्यक्रम का मूल्याङ्कन आचार्य अपने स्तर पर अंतर्गत और बाह्य स्तर पर (40+60) करे ।

4 निम्न विषय केवल नमूने के स्तर पर दिए गए है ,आप अपने क्षेत्र के किसी एक विषय को इसमें समाविष्ट कर सकते है।

प्रशिक्षण वृत्ति (INTERSHIP) के विषय -

1 स्कूल /कॉलेज में अध्यापन सहायक , नॉन फॉर्मल एज्युकेशन में अध्यापन।

2 प्रौढ़ एवं निरंतर शिक्षा में अध्यापन सहायक।

3 समाचार पत्र का कार्यालय :प्रूफ रीडिंग करना,अनुवाद करना,वृत्तान्त लेखन करना, साक्षात्कार लेना , फीचर लेखन सरकारी-गैर सरकारी परियोजनाओ, सांस्कृतिक उपक्रमों , स्थानीय ऐतिहासिक/भौगौलिक स्थलों जैसे विषयों का चयन करे।

4 आकाशवाणी : रूपक लेखन , कार्यालयीन पत्रों का अनुवाद करना,वार्ता संचालन आदि ।

5 फिल्म और दूरदर्शन : कथा, पटकथा ,गीत, संवाद आदि का लेखन

6 साहित्यिक पत्रिकाओं का कार्यालय :-प्रूफ रीडिंग करना ,कवि /लेखन/आलोचक का साक्षात्कार लेना, सहित्यिक गतिविधियों का वृत्त लेखन करना , पुस्तक परिचय एवं समीक्षा आदि ।

7 कहानी, एकांकी,नुक्कड नाटक, हास्य व्यंग्य निबंध आदि विधाओं में रचनात्मक लेखन करना ।

8 किसी साहित्यिक रचना का मराठी ,हिंदी, गुजराती में अनुवाद (लगभग ,1500 शब्दों में)

समय : तीन घटे　　प्रश्नपत्र का स्वरुप　　अंक -60

(04 क्रेडिट वाले सभी विषयों के लिए)

प्रश्न क्र.		अंक
1	निम्नलिखित लघुत्तरी प्रश्नों में से किन्हीं तीन के जवाब लिखिए	
क		4
ख		4
ग		4
घ		4
2	निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के जवाब लिखिए	
च		6
छ		6
झ		6
3	निम्नलिखित दीर्घोत्तरी प्रश्नों में से किसी एक जवाब लिखिए	
ट		12
ठ		12
4	निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियां लिखिए	
ड		6
ढ		6
ण		6
5	निम्नलिखित दीर्घोत्तरी प्रश्नों में से किसी एक जवाब लिखिए	
त		12
थ		12

सूचनाएं –

1 प्रश्न क्रमांक 1 के प्रश्न चारों इकाइयों पर अनिवार्य है ।

2 प्रश्न क्रमांक 2,3,4,5 के लिए हर एक इकाई का समावेश हो अर्थात हर इकाई पर एक प्रश्न होगा ।

3 जिस विषय में साहित्य कृति रखी है वहां प्रश्न क्रमांक 3 और 5 ससंदर्भ व्याख्या पर होगा ।

समय :डेढ़ घंटा　　प्रश्नपत्र का स्वरुप　　अंक -30

(02 क्रेडिट वाले विषयों के लिए)

प्रश्न क्र		अंक
1	निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के जवाब लिखिए	
क		3
ख		3
ग		3
2	निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के जवाब लिखिए	
च		6
छ		6
ज		6
3	निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के जवाब लिखिए	
ट		6
ठ		6
ड		6

सूचनाएं –

1 प्रश्न क्रमांक 1 और 2 इकाई 1 पर होगा ।

2 प्रश्न क्रमांक 3 साहित्य कृति पर प्रश्न अथवा ससंदर्भ व्याख्या का होगा।

हिंदी पाठ्यक्रम

द्वितीय सत्र

समकक्ष विषयों की सूची

पुराना पाठ्यक्रम		नया पाठ्यक्रम	
1	PG-HIN 201 कथेतर साहित्य (निबंध औरव्यंग्य)	1	DSC – 5 HIN -421 **नाटक और निबंध विधा**
2	PG-HIN 202 विमर्श मूलक साहित्य (दलित एवं आदिवासी)	2	DSC – 6 HIN -422 **रीतिकालीन काव्य**
3	PG-HIN 203 पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत तथा वाद	3	DSC-7-HIN-423 **पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा वाद**
4	PG-HIN 204 (A)पत्रकारिता एवं वेब पत्रकारिता	4	DSC – 2 (A) HIN – 425 **अनुवाद विज्ञान**
5	PG-HIN 204 (B) तुलनात्मक साहित्य	5	DSE - 2 (B) HIN -425 **विशेष विधा – संस्मरण**
6	PG-AC- 201 Audit Course : Personality&Cultural Development Related		**----------**
		6	DSC – 8 HIN – 424 **आदिवासी विमर्श – उपन्यास**
		7	DOJT/INT HIN -426 **प्रशिक्षण वृत्ति (INTERSHIP)**

प्रो.संजयकुमार नंदलाल शर्मा
अध्यक्ष ,
हिंदी अध्ययन मंडल
कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय,
जलगाँव